Shri Ramchandra Ji Ki Aarti Lyrics in English and Hindi with Meaning

Shri Ramchandra Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

पहली आरती पुष्पन की माला।
काली नाग नाथ लाये गोपाला॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

दूसरी आरती देवकी नन्दन।
भक्त उबारन कंस निकन्दन॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

तीसरी आरती त्रिभुवन मोहे।
रत्न सिंहासन सीता रामजी सोहे॥

चौथी आरती चहुं युग पूजा।
देव निरंजन स्वामी और न दूजा॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

पांचवीं आरती राम को भावे।
रामजी का यश नामदेव जी गावें॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की॥

Shri Ramchandra Ji Ki Aarti Lyrics in English

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Pehli Aarti Pushpan Ki Mala,
Kaali Naag Nath Laye Gopala.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Dusri Aarti Devki Nandan,
Bhakt Ubaran Kans Nikandan.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Teesri Aarti Tribhuvan Mohe,
Ratn Singhasan Sita Ramji Sohe.

Chauthi Aarti Chahun Yug Pooja,
Dev Niranjan Swami Aur Na Dooja.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Paanchvi Aarti Ram Ko Bhave,
Ramji Ka Yash Namdev Ji Gave.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

Shri Ramchandra Ji Ki Aarti Meaning in Hindi

आरती कीजै रामचन्द्र जी की,
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की।

- आइए, भगवान रामचन्द्र जी की आरती करें, जो माता सीता के पति हैं और जो सभी दुष्टों का नाश कर धर्म और शांति की स्थापना करते हैं।

पहली आरती पुष्पन की माला,
काली नाग नाथ लाये गोपाला।

- पहली आरती फूलों की माला से की जाती है। भगवान कृष्ण ने काली नाग को वश में किया और उसे शांत किया।

आरती कीजै रामचन्द्र जी की,
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की।

- आइए, भगवान रामचन्द्र जी की आरती करें, जो माता सीता के पति हैं और जो सभी दुष्टों का नाश कर धर्म और शांति की स्थापना करते हैं।

दूसरी आरती देवकी नन्दन,
भक्त उबारन कंस निकन्दन।

- दूसरी आरती भगवान कृष्ण को समर्पित है, जो देवकी के पुत्र हैं। वे भक्तों के रक्षक और कंस जैसे अत्याचारी का नाश करने वाले हैं।

आरती कीजै रामचन्द्र जी की,
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की।

- आइए, भगवान रामचन्द्र जी की आरती करें, जो माता सीता के पति हैं और जो सभी दुष्टों का नाश कर धर्म और शांति की स्थापना करते हैं।

तीसरी आरती त्रिभुवन मोहे,
रत्न सिंहासन सीता रामजी सोहे।

- तीसरी आरती सीता और रामजी को समर्पित है, जो तीनों लोकों को मोहित करते हैं और अपने रत्नजड़ित सिंहासन पर शोभायमान हैं।

चौथी आरती चहुं युग पूजा,
देव निरंजन स्वामी और न दूजा।

- चौथी आरती में भगवान राम को सभी चार युगों में पूजनीय और निराकार, सर्वोच्च स्वामी के रूप में वर्णित किया गया है। उनके जैसा कोई और नहीं है।

आरती कीजै रामचन्द्र जी की,
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की।

- आइए, भगवान रामचन्द्र जी की आरती करें, जो माता सीता के पति हैं और जो सभी दुष्टों का नाश कर धर्म और शांति की स्थापना करते हैं।

पांचवीं आरती राम को भावे,
रामजी का यश नामदेव जी गावें।

- पांचवीं आरती भगवान राम को प्रिय है। उनकी महिमा और यश को भक्त नामदेव जी प्रेमपूर्वक गाते हैं।

आरती कीजै रामचन्द्र जी की,
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की।

- आइए, भगवान रामचन्द्र जी की आरती करें, जो माता सीता के पति हैं और जो सभी दुष्टों का नाश कर धर्म और शांति की स्थापना करते हैं।

Shri Ramchandra Ji Ki Aarti Meaning in English

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

- Let us perform the aarti of Lord Ramchandra, the consort of Sita, who destroys all evil and brings peace and righteousness.

Pehli Aarti Pushpan Ki Mala,
Kaali Naag Nath Laye Gopala.

- The first aarti is offered with a garland of flowers. Lord Krishna, the protector, subdued the mighty serpent Kaliya and brought him under control.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

- Let us perform the aarti of Lord Ramchandra, the consort of Sita, who destroys all evil and brings peace and righteousness.

Dusri Aarti Devki Nandan,
Bhakt Ubaran Kans Nikandan.

- The second aarti is dedicated to Lord Krishna, the son of Devaki. He is the savior of His devotees and the destroyer of Kansa, the evil tyrant.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

- Let us perform the aarti of Lord Ramchandra, the consort of Sita, who destroys all evil and brings peace and righteousness.

Teesri Aarti Tribhuvan Mohe,
Ratn Singhasan Sita Ramji Sohe.

- The third aarti celebrates the glory of Sita and Ram, who enchant all three worlds and sit gracefully on their jeweled throne.

Chauthi Aarti Chahun Yug Pooja,
Dev Niranjan Swami Aur Na Dooja.

- The fourth aarti acknowledges Lord Ram as the eternal being worshipped across all four ages. He is the supreme and incomparable divine Lord.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

- Let us perform the aarti of Lord Ramchandra, the consort of Sita, who destroys all evil and brings peace and righteousness.

Paanchvi Aarti Ram Ko Bhave,
Ramji Ka Yash Namdev Ji Gave.

- The fifth aarti pleases Lord Ram, and His glories are sung by the devoted Namdev with love and devotion.

Aarti Kije Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dushtdalan Sitapati Ji Ki.

- Let us perform the aarti of Lord Ramchandra, the consort of Sita, who destroys all evil and brings peace and righteousness.